PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Hindustan, Delhi
Tue, 13 Jun 2017, Page 11
Width: 59.01 cms, Height: 41.06 cms, a3r, Ref: 39.2017-06-13.119

केंद्र से मिली कई राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं, बड़े शहरों के लिए रिंग रोड भी

यूपी को 50 हजार करोड़ की सौगात

सड़क नेटवर्क

नई दिल्ली | अरविंद सिंह

केंद्र सरकार ने उत्तर प्रदेश को 50 हजार करोड़ लागत की राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की सौगात दी है। इनमें प्रमुख रूप से बुंदेलखंड को नया एक्सप्रेस-वे, प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एलिवेटेड सड़कें, यूपी के बड़े शहरों के लिए रिंग रोड आदि शामिल हैं। राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसके लिए केंद्र का आभार जताया है।

सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात के बाद पत्रकारों को संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा,पहली बार प्रदेश में रोड नेटवर्क विस्तार के लिए इतने बड़े पैमाने पर परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। उन्होंने कहा, प्रदेश में गड्ढा मुक्त सड़कों के लिए 1.21 लाख किलोमीटर लंबे चार लेन व छह लेन राष्ट्रीय राजमार्ग बनाए जाएंगे।

योगी आदित्यनाथ ने बताया कि यूपी के राज्य राजमार्गों के विकास के लिए सरकार ने 10,000 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। प्रदेश के पिछड़े क्षेत्रों पूर्वी उत्तर प्रदेश व बुंदेलखंड में राष्ट्रीय राजमार्गों का विकास किया जाएगा। इसमें बुंदेलखंड के लिए ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे बनाने की सैद्धांतिक मंजूरी सड़क परिवहन मंत्री ने दे दी है। कानपुर के तिरवा से झांसी व झांसी से चित्रकूट के बीच छह लेन का नया एक्सप्रेस-वे बनाया जाएगा।

अगले छह माह के भीतर डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाने का काम शुरू कर दिया जाएगा। योगी ने 2019 में महाकुंभ का जिक्र करते हुए कहा कि इलाहाबाद की सड़कों का चौड़ीरकण किया जाएगा। इसके अलावा इलाहाबाद-लखनऊ के बीच छह लेन राष्ट्रीय राजमार्ग व 76 किलोमीटर का इलहाबाद रिंग रोड बनाया जाएगा। इलाहाबाद-लखनऊ राजमार्ग पर दो हजार 460 करोड़ रुपये से ज्यादा की धनराशि खर्च होगी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश के बड़े शहरों का यातायात कंजेशन कम करने के लिए बरेली, कानपुर, मेरठ, झांसी, आदि शहरों के बाहर रिंग रोड़ बनाने का प्रस्ताव है। इसी कड़ी में राज्य की राजधानी लखनऊ में सात एलिवेटेड सड़कें बनाई जाएंगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश के 6,260 किलोमीटर लंबे राज्य राजमार्गों को राष्ट्रीय राजमार्ग का दर्जा दिया जा चुका है। जबकि 15 राज्य राजमार्गों को राष्ट्रीय राजमार्ग का दर्जा देने का प्रस्ताव जल्द भेजा जाएगा।

प्रदेश के प्रत्येक संसदीय क्षेत्र में आठ से दस राष्ट्रीय राजमार्ग बनाने पर विचार किया जा रहा है।

नई दिल्ली में यूपी के सीएम संग बैठक में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी। ● राज के राज

वाराणसी-हल्दिया जलमार्ग पर काम शुरू

सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि वाराणसी-हल्दिया (1680 किलोमीटर) के बीच जलमार्ग विकसित करने का काम शुरू हो गया है। हल्दिया-पटना के बीच जलमार्ग बनाया जाएगा। 2019 में महाकुंभ शुरू होने से पहले इलाहाबाद-वाराणसी के बीच जलमार्ग यातायात शुरू हो जाएगा। हमारा मकसद स्टीम के जरिए श्रद्धालुओं को महाकुंभ तक पहुंचना होगा। नितिन गडकरी ने कहा कि देशभर में जलमार्गो को विकसित करने के लिए मंत्रालय राज्य सरकार के साथ मिलकर वाराणसी में बड़ा आयोजन कराने जा रहा है। इसमें यूपी, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल की सरकारों के अलावा देशी-विदेशी कंपनियां व हितधारक शामिल होंगे। नरेंद्र मोदी का संसदीय क्षेत्र वाराणसी होने के नाते प्रधानमंत्री से इसका उद्घाटन कराया जाएगा।

नए राजमार्ग जिन्हें हरी झंडी मिली

- एनएच 539 के गुना-अशोक नगर-तूबन-पिपरोड-चंदेरी (मध्य प्रदेश-यूपी सीमा पर राजगढ़- ललितपुर चौराहे तक)।
- एनएच 539 के पनारी-राजवाड़ा-बानपुर (मध्य प्रदेश-यूपी बार्डर के टीकमगढ़ चौराहे के पास)
- 87 किलोमीटर का एनएच 35 ,नागौड-कानीजर -नारायणी (बांदा-चित्रकूट के बीच)।
- एनएच 509 के समीप इस्लाम नगर-जलेसर-एटा पर 79 किलोमीटर चौड़ीकरण (आगरा से एनएच 34 पुलिस लाइन तक)

नई दिल्ली में सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ । ● प्रेट्र